दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Mukherjee Nagar

राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

टेस्ट-3

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF / OPT-24 **PSIR-2403**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: RITIK ARYA **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** 3094

Center & Date: M.Nagar, 26/07/24 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0800386

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Mentorship Program
Mukherjee Nagar

दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: **10 × 5 = 50**
Answer the following in about 150 words each:

(a) कौटिल्य और मैकियावेली का एक तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिये।
Give a comparative account of Kautilya and Machiavelli.

कौटिल्य और मैकियावेली दोनो को यथार्थवादी माना जाता है। इन्होने शासन कला पर अपनी पुस्तक क्रमश: अर्थशास्त्र व प्रिंस लिखी है।

तुलना →

राजा → कौटिल्य व मैकियावेली दोनो राजा को सबसे शक्तिशाली बताते है। राजा को सभी विद्रोहो से अपने राज्य की रक्षा करना चाहिए। साम - दाम - दण्ड - भेद के द्वारा राजा को कार्य करना चाहिए जबकि मैकियावेली कहते है → राजा को शेर जैसा साहसी → लोमड़ी जैसा चालाक होना चाहिए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(धर्म) → राजा को धर्म व नैतिकता से अलग रहना चाहिए। मैकियावेली कहता है प्रिंस को धर्म का प्रयोग राज्य के लिए करना चाहिए।

इसके बाद भी मैकियावेली कौटिल्य से कम है। कौटिल्य लोकप्रशासन, वित्त प्रशासन, पर राष्ट्र मण्डल का सिद्धांत देता है- जो कौटिल्य के विचार को विस्तृत कर देता है।

अतः मैकियावेली व कौटिल्य दोनो पंथनिरपेक्ष राज्य का समर्थन करते हैं। वह राजा को शासन कला सिखाते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) नव-मानवतावाद।
Radical Humanism.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एम. एन रॉय अधिकांश जीवन मे मार्क्सवादी होने के बाद अपने अंतिम समय मे नव मानवतावादी हो गए। इनका मानववाद वैज्ञानिक मानववाद था।

मानवतावादी होने के नाते इन्होने स्वतंत्रता, गरिमा, सम्मान का समर्थन किया है। इन्होने मार्क्सवाद व फासीवाद की आलोचना की। इन्होने कहा " व्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए दो ही खतरे है- वर्ग व राष्ट्र "।

इन्होने देखा स्टालिन ने वर्ग के नाम पर अधिनायकवाद तथा फांसीवादियो ने अंधराष्ट्रवाद के नाम पर स्वतंत्रता का दमन कर दिया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन्होने मानव के उत्थान के लिए दो चीजे अहम मानी -
(i) स्वतंत्रता
(ii) नैतिकता

इन्होने स्वतंत्रता के समर्थन के साथ मनुष्य के नैतिक विकास की वकालत की। इन्होने भौतिक विकास को एक साधन माना तथा आत्मिक विकास को सर्वश्रेष्ठ माना। इनका मानववाद गांधी की तरह नही था क्योंकि गांधी आध्यात्मिक पर ज्यादा बल देते थे जबकि रॉय वैज्ञानिकवादी थे।

इनका मानववाद नेहरू से भी अलग था क्योंकि नेहरू दल वाले लोकतंत्र की बात करते थे जबकि ये दलविहीन लोकतंत्र की। अतः रॉय महा-मानववादी थे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) जाति व्यवस्था पर श्री अरविंद घोष के विचार।

Aurobindo's views on the caste system.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

श्री अरविन्दो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के जनक है। इन्होंने सम्पूर्ण विश्व को ब्रह्म की छाया कहा। इनका राष्ट्रवाद भाषा प्रजाति पर आधारित न होकर सनातन संस्कृति पर आधारित था।

श्री अरविन्दो इस संसार को श्री कृष्ण का विराट स्वरूप कहते थे। वह कहते थे ये ब्रिटिश हमें जाति धर्म के नाम पर बाँटना चाहते है। अतः इन्होंने जाति व्यवस्था का खण्डन किया है। इन्होंने कहा हम सब ईश्वर का ही अंश है और हमारी स्वतंत्रता भी ईश्वर की इच्छा है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मानववादी होने के कारण श्री अरविन्दो स्वतंत्रता व गरिमा के बड़े समर्थक थे। ये सभी को बराबर मानते थे। इनका राष्ट्रवाद भी संस्कृति पर आधारित था जहाँ सभी में एकता तो प्राचीन समय से चली आ रही थी। इन्होंने वेदो, उपनिषदों का समर्थन किया है और सभी की एकता का विचार दिया।

भौतिक विकास से ज्यादा इन्होंने आत्मिक विकास के उत्थान पर बल दिया है। अतः इन्होंने ब्रिटिशो के जाति विभाजन की चाल का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के द्वारा प्रतिउत्तर दिया तथा सभी की समानता का विचार दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिये।
Comment on the relevance of Gandhian Thought in helping India achieve Atmanirbharta.

आज भारत आत्मनिर्भर के मार्ग पर अग्रसर है। कोविड के बाद हमारा २० लाख करोड़ का आत्मनिर्भर पैकेज तथा पीआईएल जैसी योजना हमारे आत्मनिर्भरता का साधन है। ऐसे में गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता →

- स्वदेशी → गांधी स्वदेशी के बड़े समर्थक थे। इन्होंने सूती वस्त्र का समर्थन व विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया। चरखा द्वारा सभी को वस्त्र उपलब्ध करवाया।

अतः आज हम स्वदेशी के विचार द्वारा आयात सामान पर न्यून निर्भर रहकर खुद अपने संसाधनों का बेहतरीन उपयोग कर सकते है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- (लघु कुटीर उद्योग) भारत का आज बड़ा समाज (65%) गांव में बसता है तथा असंगठित कार्य (80%) करता है ऐसे मे MSME का विकास करके हम छोटे उद्योगो द्वारा विकास कर सकते है।
- (अल्पसंचय / लालच को खत्म) → गांधी जी का ट्रस्टीशिप का सिद्धांत व संयम का सिद्धांत आज असमानता कम करने व पर्यावरण की समस्या हल करके विकास तेज कर सकते।
- (विकेन्द्रीकरण) → गांवो मे शक्ति देकर हम टोप डाउन से बॉटम अप अप्रोच अपना सकते है।

अतः आज गांधीवाद का विचार हमें 2047 तक विकसित भारत बनने मे सहायता कर सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) मंडल सिद्धांत की समकालीन प्रासंगिकता को लिखिये।

Contemporary relevance of Mandala Theory.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कौटिल्य संरचनात्मक यथार्थवाद के जनक है। जो मानते है अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति मे कोई नैतिकता नही है तथा वह अराजकतापूर्ण है। इनका विचार आज कैनेथ वाल्ट्ज जैसा है।

मण्डल सिद्धांत

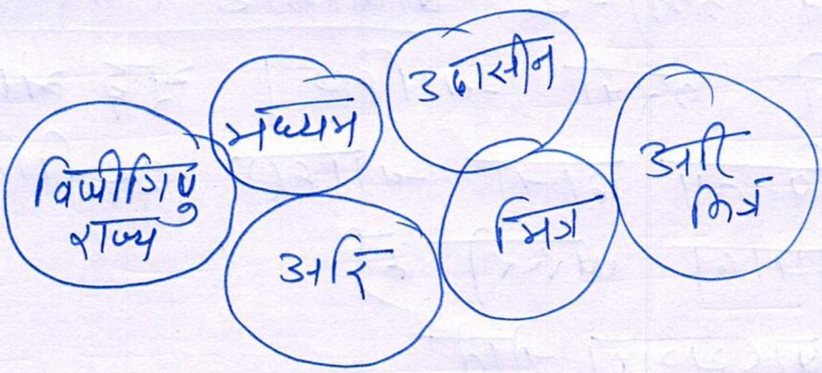

समकालीन प्रासंगिता

भारत जैसे राज्य, राज्य विजीगिषु राज्य है। जिनका मध्यम बफर स्टेट नेपाल है। अरि पाकिस्तान व चीन है। उदासीन तुर्कमेनिस्तान

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है। अरि-मित्र - दुश्मिनों व अफगानिस्तान है। तो मित्र बांग्लादेश है।

कौटिल्य कहता है राज्य को साम-दाम-दण्ड-भेद की नीति का पालन करना चाहिए। दाम से मतलब आर्थिक सहायता जिसे क्रेडिट ऑफ लाइन, कहते हैं दण्ड मे कभी-2 बालाकोट एयरस्ट्राइक भी करनी चाहिए। युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए कूटनीति ज्यादा जरूरी है

षाड्गुण्य नीति

संधि → भारत-अमेरिका की चीन के प्रति-
विग्रह → अलग रहना
संश्रय → क्वाड जैसे समूह
यान → सेनाओ को बार्डर पर भेजना
आसन → वेट एण्ड वॉच आदि।

अतः बड़ी ही चतुरता से हमे अपनी विदेश नीति बनानी चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) आधुनिक शिक्षा में सर सैयद अहमद खान के योगदान की चर्चा कीजिये। 20

Discuss Sir Syed Ahmad Khan's contribution to modern education. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) पूर्व-आधुनिक भारत में धर्म ने किस तरह से राजनीति को प्रभावित किया? 15

In what way did religion influence the polity in pre-modern India? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बौद्ध राजनीतिक विचार की प्रमुख विशेषताओं के साथ एक राजनीतिक दार्शनिक के रूप में बुद्ध का परीक्षण कीजिये। 15

Examine Buddha as a Political Philosopher with the key features of Buddhist Political Thought. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) व्याख्या कीजिये कि अंबेडकर किस प्रकार मार्क्सवाद के आलोचक और समर्थक हैं। 20
Explain how Ambedkar is a critic and follower of Marxism. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामाजिक न्याय और संविधानवाद के जनक, लोकतंत्र के समर्थक और जातिवाद के विरोधी डा. अम्बेडकर संविधान और लोकतंत्र के माध्यम से वंचितो का उत्थान चाहते थे जबकि मार्क्स क्रांति को महत्व देते थे।

अम्बेडकर मार्क्सवाद के आलोचक के रूप मे :-

- मार्क्स समाज मे वर्ग को महत्व देते थे जैसे - पूंजीपति, सर्वहारा जबकि अम्बेडकर ने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि भारतीय समाज मे जाति ही विषमता की मुख्य वजह है। भारतीय समाज जातियों मे विभाजित
  → ब्राह्मण
  → क्षत्रिय
  → वैश्य
  → शूद्र

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- मार्क्सवाद का भारत मे नेतृत्व भी ब्राह्मणवादी व्यवस्था द्वारा किया जा रहा है। इसके नेता जाति की समस्या की तो बात ही नही करते।

- अम्बेडकर संविधानवाद और शांति के साथ दलितो का उत्थान लोकतांत्रिक माध्यम से करना चाहते थे जबकि मार्क्सवाद का विचार आमूल चूल परिवर्तन का है। ये वर्ग संघर्ष व क्रांति को अपना साधन मानते थे।

- मार्क्स ने साम्यवाद और दलविहीन, वर्गविहीन, राज्यविहीन समाज की बात कही है जबकि डा० अम्बेडकर राज्य के माध्यम से ही दलितो

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के उत्थान की बात करते है)

डॉ० अम्बेडकर → बहुदलीय व्यवस्था के समर्थक
→ स्वतंत्र व निष्पक्ष नौकरशाही के समर्थक
→ निष्पक्ष व मजबूत न्यायपालिका के समर्थक

समर्थक

- समाज मे शोषण का विचार और असमानता का विचार मार्क्स की ही देन है)
- संघर्ष का विचार भी
- मार्क्स की तरह अम्बेडकर भी शहर और औद्योगीकरण को महत्व देते
- विषमता को पूर्ण तरह समाप्त करे

अत: उदारवाद और संविधानवाद के विचार से डॉ० अम्बेडकर का विचार मार्क्सवाद से अलग प्रतीत होता है परंतु वह विचारों से समाजवाद की तरफ झुके ज्यादा प्रतीत होते है)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) गांधीजी ने अपने व्यक्तिगत और ऐतिहासिक अनुभवों के साथ निष्क्रिय प्रतिरोध से स्थापन्न होकर, सत्याग्रह के विचार का प्रस्ताव रखा। गांधीजी के शब्दों में दोनों के बीच के अंतर की चर्चा कीजिये। 15

Gandhi with his personal and historical experiences delineated his departure from passive resistance and proposed the idea of satyagraha. Discuss the difference between the two in the words of Gandhi. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गांधी जी के लिए सत्य ही उनका ईश्वर था और धर्मविहीन राजनीति को उन्होंने मृतदेह के समान कहा है। उन्होंने निष्क्रिय प्रतिरोध से ही सत्याग्रह का विचार रखा। लेकिन दोनों के बीच अंतर है —

निष्क्रिय प्रतिरोध

- ब्रिटिशों के साथ प्रगति: असहयोग
- विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार
- राष्ट्रीय शिक्षा का प्रोत्साहन
- विदेशी कानूनों की अवमानना
- जरूरत पड़ने पर आत्मरक्षा के लिए थोड़ी-बहुत हिंसा भी सही

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे → अरविन्दो जैसे विचारको ने कहा है हिंसा माँ काली के द्वारा किया गया नृत्य है।

महाभारत के युद्ध मे कृष्ण ने हिंसा का समर्थन किया है - अगर आत्मरक्षा की बात हो। बंकिमचन्द्र चटर्जी और तिलक का निष्क्रिय प्रतिरोध भी अरविन्दो जैसा है।

गांधी जी का सत्याग्रह का विचार

- ब्रिटिशो के प्रति नहीं अपितु साम्राज्यवाद के प्रति घृणा
- सत्य और अहिंसा के द्वारा साम्राज्यवाद का मुकाबला
- हिंसा का किसी भी सूरत मे प्रयोग नहीं।
  जैसे → चोरा-चोरी घटना के बाद आंदोलन वापस लेना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- उपवास और हृदय परिवर्तन द्वारा स्वराज्य प्राप्त करना
- असहयोग, सिविल अवज्ञा द्वारा आंदोलन आगे बढ़ाना
- रचनात्मक कार्यक्रमों को जारी रखना जैसे → शिक्षा
  → अस्पृश्यता उन्मूलन
  → चरखा

गांधी जी के सत्याग्रह के विचार पर टालस्टाय और डेविड थोरो तथा इलाम(?)सीह का प्रभाव दिखता है। गांधी जैन दर्शन के सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य से प्रभावित थे। गांधी जी अफ्रीका मे रंगभेद की नीति व वहाँ पर किए गए आंदोलन से निष्क्रिय प्रतिरोध से सत्याग्रह की तरफ उन्मुख हुए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) मनुस्मृति में अभिव्यक्त प्रमुख विचारों की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the salient ideas found in Manusmriti. 15

मनुस्मृति की रचना राजा विस्वान के पुत्र मनु ने की थी। इन्होंने समाज को व्यवस्थित करने व कानून का पालन करने के लिए मनुस्मृति जैसे विस्तृत ग्रंथ की रचना की।

प्रमुख विचार

• **धर्म** → धर्म को केन्द्रीय महत्व दिया गया। राजा पर भी धर्म का नियंत्रण स्थापित किया गया। यहाँ धर्म का अर्थ रिलीजन से नहीं अपितु कर्त्तव्य से है।

धर्म → राजधर्म
→ पुत्र धर्म
→ मातृ धर्म

अत: राजा धर्म की अवहेलना करेगा तो बंधु बांधव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सहित मारा जाएगा।

- राज्य / मत्स्य न्याय → प्राचीन समय मे मत्स्य न्याय था। शक्तिशाली कमजोर को मार रहे थे। चारो तरफ अराजकता थी ऐसे मे राज्य की दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत आता है। राज्य ईश्वरीय सत्ता थी।

- समाज → इन्होने समाज मे विषमता को प्राकृतिक कहा। समाज मे श्रेणीकरण का विचार दिया।
  - ब्राह्मण → सबसे श्रेष्ठ / धर्म
  - क्षत्रिय → रक्षा
  - वैश्य → व्यापार
  - शूद्र → उपर्युक्त तीनो की सेवा

महिला को इन्होने पुरुषो के अधीन बताया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- युवा मे → पिता के अधीन
- प्रौढ़ मे → पति के अधीन
- वृद्ध मे → बच्चे के अधीन

अन्तर्जातीय विवाह को मना किया है। जो इस वर्ण पद्धति मे नही थे उन्हें अस्पृश्य कहा।

(आलोचना)

- डा. अम्बेडकर मनुस्मृति की कठोर आलोचना करते है। वर्ण को जाति का मूल कारण मानते हुए उसको जला देते है।
- कांचा इलैया जैसे विचारक मनुस्मृति को महिलाओं के निम्नस्थान के लिए कारण कहती है।

मनुस्मृति का जाति और महिला को दिया गया विचार प्रासंगिक नही है परंतु उन्होने जो कानून दिये जिसके कारण आधुनिक फौजदारी व सिविल कानून की उत्पत्ति हुई प्रशंसनीय है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) 'राष्ट्र के बजाय समुदाय के नेता' के रूप में हिंदुओं द्वारा सर सैयद अहमद खान की आलोचना क्यों की गई थी? टिप्पणी कीजिये। 20

Comment: Why Sir Syed Ahmad Khan was criticized by Hindus as 'Leader of community rather than Nation'? 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सैयद अहमद खान ब्रिटिश सरकार मे क्लर्क की नौकरी करते थे अंग्रेजी शिक्षा से प्रशिक्षित थे। इन्होने मुस्लिमों मे राजाराममोहन राय की तरह सुधार का प्रयास किया। शुरुआत मे ये हिन्दू-मुस्लिम एकता के समर्थक थे परंतु बाद मे अंग्रेजो के वफादार हो गए —

आलोचना के कारण

- इन्होने भारत की स्वतंत्रता से ज्यादा मुस्लिम समुदाय के हित की वकालत की।
- कांग्रेस की अहमद खान आलोचना करते थे। कांग्रेस को ये हिन्दूवादी संगठन कहकर उसमे मुस्लिमो को न जाने के लिए कहते थे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन्होंने अंग्रेजों के प्रतिउत्तर में पैट्रियाटिक एसोसियेसन की स्थापना की। जिसका उद्देश्य अंग्रेजों के प्रति वफादारी दिखाना था।

- ऐंग्लो ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना इन्होंने मुस्लिमों के हित के लिए की थी।
- मुस्लिम समुदाय के जो बच्चे सिविल सर्विस एक्जाम देना चाहते थे उनके लिए मुस्लिम सिविल सर्विस संस्था का निर्माण किया।
- इन्होंने अंग्रेजों से कहा अगर आप मुस्लिमों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देंगे तो 1857 जैसी क्रांति नहीं घटेगी। चूँकि आपने मुस्लिमों को ही 1857 की क्रांति का

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारण माना है जो गलत है।

- इन्होंने मुस्लिमों को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से अलग होने को कहा। इनका मानना था कि अगर मुस्लिम आंदोलन में भाग लेंगे तो ब्रिटिश उन्हें जेल में डालेंगे तथा उन्हें सुविधाओं से वंचित कर देंगे।

- पहले हिन्दू-मुस्लिम समर्थक होने के बाद भी फिर ये बदल गए। इन्होंने कहा हिन्दू और मुस्लिम के हित अलग है। हिन्दू बहुत संपन्न है। बंगाली हिन्दू के बारे में इनका कथन —
"यदि मुस्लिम दौड़कर भी बंगाली हिन्दू का पीछा करेंगे तब भी नहीं पा पाएंगे।"

- इनके यही विचार आगे विभाजन का कारण बने।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अहमद खान ने जो दृष्टिकोण अपनाया था, वो 1057 की क्रांति के बाद ब्रिटिशों द्वारा मुस्लिमों को क्रांति का कारण मानने से ~~उनके~~ उनके दमन, से आया था। अतः अब वो मुस्लिमों को प्रतिनिधित्व दिलाना चाहते थे।

उन्होंने साइंटिफिक सोसायटी की स्थापना कर वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान को आगे बढ़ाया। अंग्रेजी शिक्षा का समर्थन किया। कुरान की आधुनिक व्याख्या का समर्थन किया। डॉ० अम्बेडकर की तरह अहमद खान भी शिक्षा को अति-महत्वपूर्ण मानते थे।

परंतु उनके मुस्लिम हित का विचार ~~[illegible]~~ सम्प्रदायवाद और फिर विभाजन में बदल गया जिसने उन्हें समुदाय का नेता बना दिया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) एम.एन. रॉय दल विहीन लोकतंत्र की वकालत क्यों करते हैं? 15
Why does M.N. Roy advocate Party less Democracy? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एम.एन रॉय जीवन की शुरुआत मे राष्ट्रवादी थे। परंतु उन्होने अपना अधिकांश जीवन मार्क्सवादी के रूप मे ही विभाजित किया। जीवन के अंतिम दिनो मे उन्होने वैज्ञानिक एकात्मवाद व मानववाद का विचार दिया।

रॉय स्वतंत्रता के बाद मानववादी हो गए उन्होने फिर मार्क्सवाद - फासीवाद की आलोचना की। इन्होंने दलविहीन- लोकतंत्र का विचार दिया। इन्होने भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के खात्मे के समर्थक थे।

इनका मानना था कि दल होने के कारण शोषण होगा। नेता अपने हितों के कारण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राज्य का हित त्याग देंगे। राज्य को द्वितीय रखने के कारण राष्ट्र का विकास अवरुद्ध होगा। नेता आपसी प्रतिस्पर्धा में लगे रहेंगे और नागरिकों की स्वतंत्रता को छीन लेंगे।

(कांग्रेस की आलोचना)

रॉय 1917 की क्रांति के बाद से कांग्रेस के बड़े आलोचक बनकर उभरे। इन्होंने गांधी को पूंजीवादी का समर्थक तथा नेहरू को समावादी समाजवादी कहा है। कांग्रेस को छोटा बुर्जुआ तथा अंग्रेजों को बड़ा बुर्जुआ कहा है। चौरा चौरी घटना के बाद गांधी जी द्वारा आंदोलन वापस लेने

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की रॉय आलोचना करते है।
कहते हैं यह पूंजीवादियों के पक्ष लेने के कारण वापस लिया गया।

इसलिए जब यह मानववादी बने तब भी दलों को देश की तरक्की मे बाधा मानते थे।

अत: राय की विचारधारा मे काफी अंतर होने के कारण तथा भारतीय समाज का अध्ययन वर्ग के रूप मे करने के कारण एवं अंत मे मानववादी होने के कारण स्वतंत्रता व नैतिकता को विशेष महत्व देने से इनके विचार मे एक उतार - चढ़ाव दिखता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) यद्यपि गांधी और अरबिंदो दोनों ने अध्यात्मवाद का प्रचार किया, लेकिन राष्ट्रवाद के प्रति उनके दृष्टिकोण भिन्न थे। 15

Though both (Gandhi and Aurobindo) preached spiritualism but their respective approaches towards nationalism were at variance. Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

श्री अरविंदो व गांधी दोनो ने नैतिक व आध्यात्मिक उन्नति की बात कही है। उन दोनो के लिए भौतिक विकास बस एक साधन था, साध्य तो आत्मिक विकास था।

अरविन्दो जगत को ब्रह्म की छाया मानते थे। गांधी सत्य को ईश्वर मानते थे तथा सभी को ईश्वर की संतान कहते थे। अरविन्दो गांधी की तरह ही अंत मे मानववादी हो गए तथा Synthesis of Yoga के विचार द्वारा आत्मिक व आध्यात्मिक विकास को सर्वश्रेष्ठ माना।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राष्ट्रवाद के प्रति दोनो के दृष्टिकोण मे भिन्नता

श्री अरविन्दो ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का आधार रखा। इन्होने कहा श्री कृष्ण के विराट स्वरूप की भाँति सारा विश्व उनका ही अंश है। अरविन्दो ने वेद, उपनिषद पुराणों को आधार मानकर सनातन धर्म के द्वारा देश मे राष्ट्रवाद का विचार दिया। इनका कथन है -

"जब तक ये साम्राज्यवादी हमारा खून पीते रहेगे हम शांत नही बैठेगे।"

और इन्होने हिंसा को "माँ काली के नृत्य की तरह" बताया है

इनका राष्ट्रवाद वर्निडर, पियरसन या मेजिनी की तरह भाषा, प्रजाति पर आधारित न होकर सनातन संस्कृति पर आधारित था।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(गांधी जी) सर्वोदय की भावना के साथ आगे बढ़ते है। यह सभी वर्गों के समन्वय का सिद्धांत देते है। इनके लिए सत्य ही इनका ईश्वर है और अहिंसा व सत्याग्रह के द्वारा ये उपनिवेशवाद से मुक्ति दिलाएँगे। इनका सर्वधर्मसमभाव का विचार उल्लेखनीय है। यह हिंसा को कायरों का अस्त्र कहते थे।

अतः साधन मे दोनो मे प्रखर कुछ अंतर था जैसे राष्ट्रवाद को लेकर साध्य दोनो के समान थे; उपनिवेशमुक्ति व आध्यात्मिक उन्नति।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) कौटिल्य का राज्य की उत्पत्ति का अनुबंध सिद्धांत क्या है?

What is Kautilya's contract Theory of Origin of State?

कौटिल्य के अर्थशास्त्र व धर्मशास्त्र का विचार प्लेटो-अरस्तू जैसा है।

कौटिल्य भी धर्मशास्त्र के मत्स्य न्याय के विचार को मानते हैं। यहाँ शुरुआत में प्रकृति: अराजकता थी। ऐसे में लोगों में सामाजिक समझौता होता है तथा वह अपनी सुरक्षा के लिए राजा विवस्वान् के पुत्र मनु को अपनी शक्ति सौंप देते हैं। बदले में प्रजा अपने अनाज का 1/6 भाग तथा कीमती सामान का 1/10 भाग राजा को देने को कहते हैं।

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कौटिल्य राज्य की दैवीय उत्पत्ति के सिद्धांत का खण्डन करते है। वह राज्य को समझौते पर आधारित मानते हैं इनका विचार हॉब्स जैसा प्रतीत होता है।

अतः कौटिल्य के समझौते का विचार आगे लोकतंत्र का आधार बनता है समझौते पर राज्य निर्मित होने के कारण उसका मूल कार्य प्रजा का कल्याण है

"प्रजा सुखे सुखम् राजा।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) धर्मशास्त्र की तुलना अर्थशास्त्र से कीजिये।
Compare Dharmashastra with Arthashastra.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

धर्मशास्त्र और अर्थशास्त्र का विचार प्लेटो और अरस्तू जैसा है अर्थशास्त्र की रचना कौटिल्य ने की जबकि धर्मशास्त्र मे वेद उपनिषद, टीकाएँ मनुस्मृति शामिल है

मत्स्य न्याय को लेकर दोनो यह मानते है कि प्राचीन समय मे अराजकतापूर्ण स्थिति थी। धर्मशास्त्र राज्य की दैवीय उत्पत्ति के सिद्धांत को मानते है जबकि अर्थशास्त्र समझौते के सिद्धांत को।

धर्म को लेकर भी दोनो मे अंतर है। धर्मशास्त्र का केन्द्रीय महत्व धर्म है जबकि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अर्थशास्त्र पंथनिरपेक्ष शासन की बात करता है

राजा को धर्म व नैतिकता के अधीन नहीं रहना चाहिए। उसे साम-दाम-दण्ड-भेद के द्वारा राज्य का संचालन करना चाहिए।

अर्थशास्त्र प्रशासन का व्यावहारिक प्रयोग तथा परराष्ट्र सिद्धांत के द्वारा विदेश नीति का संचालन दिखता है जबकि धर्मशास्त्र में ऐसा नहीं दिखता।

इसके बावजूद दोनो राजा पर नियंत्रण स्थापित करते है प्रजा कल्याण को ही अंतिम लक्ष्य बताते है धर्मशास्त्र की मूल विचार मोक्ष प्राप्ति की है जबकि अर्थशास्त्र इहलौकिक बात करता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) टिप्पणी कीजिये: निष्क्रिय प्रतिरोध एक शक्तिशाली हथियार के रूप में।

Comment: Passive Resistance as potent weapon.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निष्क्रिय प्रतिरोध का विचार ब्रिटिश सत्ता के लिए हमेशा समस्या का विषय रहा। अरविन्द ने निष्क्रिय प्रतिरोध का प्रतिपादन भारतीय नपीति से किया जिसे बाद में गांधी ने सत्याग्रह के रूप में बदल दिया।

निष्क्रिय प्रतिरोध से आशय है बिना हथियार या हिंसा के विरोध करना। इसमें विदेशी वस्तु का बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा को आगे बढ़ाना, स्वदेशी का प्रयोग आता है।

यह विरोधियों की शक्ति को एक क्षण में कम कर देता है। यह ब्रिटिश

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे आधुनिक शक्ति संपन्न व हथियारो से सुसज्जित सेना को पराजित कर देता है

1905 के स्वदेशी आंदोलन व गरमपंथी द्वारा इसका जबरदस्त प्रयोग किया गया। आगे गांधी ने इसे सत्याग्रह के द्वारा ब्रिटिश शक्ति के रूप मे प्रयोग किया। गांधी सत्य और अहिंसा के द्वारा उपनिवेशवाद की समाप्ति चाहते थे जिसमें असहयोग और सिविल अवज्ञा आंदोलन शामिल था।

दुनिया मे अफ्रीका में नेल्सन मंडेला तथा अमेरिका मे मार्टिन लूथर ने निष्क्रिय प्रतिरोध का व्यापक प्रयोग किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) प्राचीन हिंदू परंपरा में दंड की प्रधानता के बारे में लिखिये।

Write about the primacy of Danda (Punishment) in Ancient Hindu Tradition.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्राचीन समय से भारतीय परंपरा मे दण्डनीति का उल्लेख मिलता है। राजा को हमेशा दण्ड का भय रहा है तथा प्रजा भी दण्ड नीति से शासित होती थी।

कौटिल्य ने अर्थशास्त्र मे दण्ड के लिए तीन रूप बताए है —

① (धर्म) → पहले व्यक्ति को सर्वा दण्ड धर्म के आधार पर देना चाहिए।

② (परिस्थितियाँ) → इसमे जो भी साक्ष्य उपस्थिति है उन्हें ध्यान मे रखकर दण्ड का प्रयोग करना चाहिए। जो आज के साक्ष्य अधि. जैसी है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

③ (राज्य) → राज्य का न्याय अंतिम होगा।

मनुस्मृति में भी दण्ड का वर्णन किया गया है। जो आधुनिक सिविल व फौजदारी न्याय का आधार बनी।

अत: प्राचीन समय का दण्ड कुछ परिवर्तनों के साथ राज्य के लिए संविधानवाद की तरह है। तथा व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था के संचालन में सहायक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(e) वि-औपनिवेशीकरण सिद्धांत।

Decolonization theory.

तृतीय विश्व के अधिकांश देश उपनिवेशवाद के चंगुल में रहे हैं। इनमे साम्राज्यवाद से स्वतंत्रता की मांग हमेशा उठती रही है।

वि औपनिवेशीकरण से आशय है सम्पूर्ण सम्प्रभुता प्राप्ति की। अर्थात किसी भी विदेशी शक्ति का हस्तक्षेप वर्जित। आंतरिक सम्प्रभुता से आशय है हम अपने आंतरिक मामले स्वयं देखेंगे तथा बाह्य सम्प्रभुता से आशय है हमारी स्वतंत्र विदेश नीति।

औपनिवेशवाद से आशय होता है उपनिवेश के हित मातृदेश के हित में होने चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसमे उनका आर्थिक शोषण से शुरू किया जाता है फिर उनके राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सभी मामलों मे हस्तक्षेप किया जाता है।

लेनिन जैसे विचारक उपनिवेशवाद को पूंजीवाद का चरम रूप कहते थे। वर्तमान समय मे द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद एक नव उपनिवेशवाद का विचार शुरू हो गया जहाँ वर्ल्ड बैंक, आई.एम.एफ. द्वारा आर्थिक आधिपत्य जमाया जा रहा है।

अतः एडवर्ड सईद जैसे नवउपनिवेशवादी विचारक वर्तमान विश्व को यूरोकेन्द्रित तथा शोषण का जरिया मानते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) मनु द्वारा वर्गीकृत शासन के सिद्धांतों की चर्चा कीजिये। 20

Discuss the tenets of the governance as classified by the Manu. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) डॉ. अंबेडकर ने अपनी कृति "एनिहीलिशेन ऑफ कास्ट" के माध्यम से जाति व्यवस्था को समाप्त करने की कोशिश की क्योंकि उनका मानना था कि लोगों की जाति ही उनके वर्ग का निर्धारण करती है। परीक्षण कीजिये। 15

Dr. Ambedkar, through his work "Annihilation of Caste," sought to abolish the caste system as he believed that it is the Caste of people that determines their class. Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "आपका पड़ोसी आपका स्वाभाविक शत्रु है और पड़ोसी का पड़ोसी आपका मित्र है।" कौटिल्य के राज्य के मंडल सिद्धांत के आलोक में इस कथन की विवेचना कीजिये। 15

"Your neighbor is your natural enemy and the neighbor's neighbor is your friend." Discuss this statement in light of Kautilya's theory of the circles of the state. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) जय प्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति क्या है? इसके कारणों और तकनीकों की चर्चा कीजिये। 20

What is total Revolution of JP Narayan? Discuss it with the causes and techniques. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) टिप्पणी कीजिये: ''लोगों की जाति ही उनके वर्ग का निर्धारण करती है''। - अंबेडकर 15

Comment: "It is the Caste of people that determines their class". – Ambedkar 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) समकालीन शासन प्रणाली में समाहित रामराज्य की अवधारणा के घटक और इसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the elements of Ram Rajya with the inclusion of its features in the contemporary model of Governance. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) अंबेडकर और गांधी के बीच संघर्ष के मुद्दों की पहचान कीजिये। 20

Identify the issues of conflict between Ambedkar and Gandhi. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

डा॰ अम्बेडकर और गांधी दोनो के साधन अलग थे परंतु साध्य था वंचितो का कल्याण व अस्पृश्यता समाप्ति। दोनो ने ही अपना जीवन संघर्ष करते हुए व जनकल्याण मे लगा दिया।

डा. अम्बेडकर व गांधी जी के बीच संघर्ष के मुद्दे →

जाति/वर्ण → डा॰ अम्बेडकर वर्ण व जाति को समान मानते थे। जाति के प्रति : खात्मे के पक्षधर थे। जाति को ही उन्होने शोषण का मूल आधार माना है। जबकि गांधी जाति व वर्ण को अलग मानते थे। वर्ण पद्धति का वह समर्थन करते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामाजिक विभाजन के लिए वह वर्ण को उचित मानते थे।

(अस्पृश्यता) → डॉ. अम्बेडकर संविधान व राजनैतिक संघर्ष के द्वारा जाति व अस्पृश्यता को खत्म करना चाहते थे। (अनु.17 को बाद में लाए।)

जबकि गांधी हृदय परिवर्तन व रचनात्मक कार्यक्रम के द्वारा जाति उन्मूलन व अस्पृश्यता उन्मूलन के समर्थक थे। गांधी जी ने 'हरिजन पत्रिका' की शुरुआत तथा हरिजन यात्रा की।

(आर्थिक) → डॉ. अम्बेडकर शहरीकरण व भारी उद्योगों के समर्थक थे। गांवों को शोषण का अड्डा मानते थे।
गांधी जी गांव के

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समर्थक थे। लघु व कुटीर उद्योगो के समर्थक थे।

(सम्पत्ति) → डॉ. अम्बेडकर सामूहिक खेती के समर्थक थे तथा आरक्षण द्वारा वंचितो का कल्याण व उनको प्रतिनिधित्व दिलाना चाहते थे।

जबकि गांधी जी ट्रस्टीशिप का सिद्धांत देते है। जिसमें वह पूंजीपतियों को संपत्ति का संरक्षक कहते है तथा हृदय परिवर्तन के द्वारा अतिरिक्त सम्पत्ति को जरूरतमंदो में वितरण की बात करते है।

(राजनैतिक) → डॉ. अम्बेडकर लोकतंत्र व संविधान के समर्थक थे। जिसके लिए उन्होने
→ बहुदलीय पद्धति
→ स्वतंत्र न्यायपालिका
→ निष्पक्ष नौकरशाही

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जबकि गांधी (हिन्द स्वराज)

- दलविहीन लोकतंत्र
- विकेन्द्रीकृत ग्राम स्तर से
- राम राज्य
- सर्वोदय

धर्म → डा. अम्बेडकर हिन्दू धर्म को जाति व विषमता का मुख्य कारण मानते है। (Riddles of Hinduism) में अंत मे बौद्ध धर्म को अपना लेते।

गांधी धर्मविहीन राजनीति को मृत देह के समान मानते तथा गीता का उन पर विशेष प्रभाव।

अतः डा. अम्बेडकर और गांधी दोनो मे अनेक अंतर होने के बावजूद दोनो का विचार आज महत्वपूर्ण है। अम्बेडकर का संविधानवाद व लोकतंत्र तो गांधी उत्तर आधुनिकतावादियों (पर्यावरण, अहिंसा) मे आते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) संविधानवाद के आलोक में सामाजिक न्याय पर अंबेडकर के विचार की व्याख्या कीजिये। 15

How does Ambedkar ensure social justice through India constitution? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

डा० अम्बेडकर सामाजिक न्याय के पुरोता है। संविधानवाद का उनका विचार अमेरिका के जेफर्सन व मेडिसिन से प्रभावित है। संविधानवाद से आशय 'सीमित शासन' से है जहाँ लोकतंत्र, अधिकार हो।

डा० अम्बेडकर का सामाजिक न्याय जॉन रॉल्स की भाँति नहीं है। डा. अम्बेडकर 'आरक्षण' को सामाजिक न्याय का महत्वपूर्ण बिन्दु मानते है। इन्होंने अवसर व प्रतिष्ठा की ~~समानि~~ समानता को महत्वपूर्ण माना। सामाजिक आर्थिक स्वतंत्रता को राजनैतिक स्वतंत्रता से पहले माना।

इन्होंने अनु. 15, 16, 17, 330, 332, 338 आदि द्वारा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

वंचितो के हक व अधिकार को संविधान मे डाला। अधिकार के व निदेशक तत्वो के द्वारा उन्होने सरकार पर नागरिको के हितो मे कार्य करने तथा सीमित शासन के द्वारा कार्य करने को कहा।

डा० अम्बेडकर परिणाम को ज्यादा महत्व देते है जबकि रॉल्स प्रक्रिया को। डा० अम्बेडकर के लिए वंचितों का कल्याण और प्रतिनिधित्व ज्यादा जरूरी है जिसके लिए उन्होने संविधान मे आरक्षण का प्रावधान किया। रॉल्स भी संसाधन को वंचितो के पक्ष मे वितरण करने को कहता है परंतु सिर्फ मूलभूत सुविधाओं को रॉल्स के लिए स्वतंत्रता समानता से ऊपर है जबकि डॉ. अम्बेडकर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के लिए सामाजिक समानता ज्यादा जरूरी है।

डा॰ अम्बेडकर गांधी से भी अलग थे। वह संविधान व लोकतंत्र के द्वारा वंचितो का उत्थान चाहते थे जबकि गांधी हृदय परिवर्तन के द्वारा।

अत: वर्तमान समय मे डा॰ अम्बेडकर ज्यादा व्यावहारिक प्रतीत होते है आज आरक्षण वंचितों के सशक्तीकरण का चाहे दलित हो, जनजाति हो या महिला सभी के लिए महत्वपूर्ण प्रतीत होता है जैसे दलितो का नौकरियों व राजनीति मे बढ़ता प्रतिनिधित्व तथा महिला के लिए नारी (16%) शक्ति वंदन अधि. जैसे एक तिहाई आरक्षण के प्रावधान।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) हालाँकि रॉय का विश्लेषण, गांधी की रचनात्मक सांस्कृतिक शक्ति को समझने में विफल रहा। इस कथन का परीक्षण कीजिये। 15

Roy's analysis, though creative, failed to understand the cultural power of Gandhi. Examine the statement. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रॉय अपने अधिकांश जीवन में मार्क्सवादी रहे हैं। उन्होंने गांधी व कांग्रेस की कठोर आलोचना की है।

कांग्रेस व गांधी की आलोचना

रॉय कांग्रेस को छोटा बुर्जुआ तथा ब्रिटिशों को बड़ा बुर्जुआ कहते थे। उन्होंने चौरा चौरी हिंसा के बाद आंदोलन को वापस लेने को गांधी को पूंजीवाद का समर्थक कहा।

नेहरू को वह रूमानी समाजवादी कहते थे। उन्होंने लेनिन के इस विचार को

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भी मना किया जिसमे उसने क्रांति के लिए अंग्रेज से गठबंधन की बात कही थी।

रॉय कहते है भारत के साम्यवादी इतना विकसित हो चुका है कि वह क्रांति करेगा।

गांधी का रचनात्मक कार्यक्रम

- चरखा
- अस्पृश्यता उन्मूलन
- स्वदेशी
- गांवो मे राजनीतिक जागृति

ऐसे कार्यक्रम गांधी आंदोलन रुको आंदोलन रुको की धारणा के साथ करते थे। जिससे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विरोध की शक्ति दुबारा संगठित की जा सके।

पांडु रॉय ने समाज का मार्क्सवादी विभाजन कर दिया -

- पूंजीपति कुलीन वर्ग
- बड़े जमींदार / अधिकारी
- किसान
- भूमिहीन किसान / मजदूर

अतः राय गांधी के सर्वोदय के विचार व सत्य-अहिंसा को नही समझ सके तथा वर्ग संघर्ष व क्रांति का रास्ता अपनाते रहे। अंत मे स्वयं मानववादी बन गए।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

टेस्ट-3

DTVF OPT-24 PSIR-2403

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation